डेयरी कर्ज योजना लोन स्कीम ऋण सब्सिडी प्रोजेक्ट

NABARD Dairy Entrepreneurship Development Scheme-: केंद्र सरकार के डेयरी उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत, नाबार्ड 2 से 10 गायों को 25 प्रतिशत अनुदान में देगा। इच्छुक व्यक्ति दो से दस गायों के डेरी (डेयरी) दुग्ध व्यवसाय हेतु ऋण प्राप्त करने के लिए बैंक से संपर्क कर सकते हैं और कृषि और ग्रामीण विकास के लिए राष्ट्रीय बैंक (नाबार्ड) से अनुदान की राशि प्राप्त कर सकते हैं। नाबार्ड ने चालू वित्त वर्ष में इसे रेखांकित किया है। जल्द ही, बैंकरों से मुलाकात, नाबार्ड के अधिकारी ऋण और अनुदान पर सलाह देंगे।

पिछले वित्तीय वर्ष में रिपोर्ट के अनुसार, देवघर जिले में उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत, 70 प्रति लाभार्थी गाय को 25 प्रतिशत अनुदान पर दिया गया था। नाबार्ड के डीडीएम ने कहा कि इस योजना में, ऋण राशि बैंक द्वारा अनुमोदित की जाएगी और 25% लाभार्थी द्वारा जाएगी। इस योजना से लाभ प्राप्त करने में रुचि रखने वाले व्यक्ति सीधे बैंक से संपर्क करेंगे और यदि बैंक उधार देने के लिए तैयार है, तो लोन का फॉर्म उन्हें बैंक से उपलब्ध कराया जाएगा। लाभार्थी को ऋण की पहली किश्त की राशि दी जाने के बाद, बैंक सब्सिडी धन प्राप्त करने के लिए नाबार्ड वेबसाइट पर आवेदन करना होगा। जांच के बाद, नाबार्ड बैंक के माध्यम से अनुदान की राशि प्रदान की जाएगी। डीडीएम ने कहा कि इच्छुक व्यक्ति इस योजना का लाभ पाने के लिए बैंकों से संपर्क कर सकते हैं और इस महीने से शुरू कर सकते हैं।

पशुपालन विभाग सभी जिलों में आधुनिक डेयरी स्थापित करेगा। इस के तहत NABARD Dairy की स्थापना के लिए लोगों को एक ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया जाएगा। इस डेयरी में सब कुछ आधुनिक तरीके से किया जाएगा। दूध उत्पादन से लेकर गाय या भैंसों की देखरेख, गायों की रक्षा के लिए, घी निर्माण आदि सब कुछ मशीन-आधारित होगा। इस योजना को लागू करने के लिए, विभाग के अतिरिक्त प्रमुख ने सभी जिलों और राज्यों में पशुपालन विभाग के उप निदेशक से संपर्क करना शुरू कर दिया है। सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किया जा रहा है। सरकार का मानना है कि आय बढ़ाने के लिए, किसानों को अन्य प्रकार के विकल्पों पर ध्यान देना होगा। पशुपालन विभाग के निदेशक ने कहा कि यदि केन्द्रापसार लागू किया गया है, तो विभाग द्वारा तैयार की गई योजना में डेयरी का व्यवसाय करके करोड़पति बनने में समय नहीं लगेगा। सभी राज्यों में दूध की कोई कमी नहीं होगी। एनसीआर – नोएडा जिले में रहने वाले लोगों को दिल्ली जैसे बाजार मिलेगा, जहां वांछित दूध की खपत का उपभोग किया जा सकता है।

नाबार्ड डेयरी योजना दूध उत्पादन ऋण

नाबार्ड द्वारा गायों का मूल्य न्यूनतम मूल्य 60000 रुपये होने का अनुमान है। NABARD Dairy Yojana का नाम **“50 गाय की डेयरी योजना”** दी गई है। डेयरी फार्म खोलने के लिए गायों के लिए एक व्यक्ति को केवल 30 लाख रुपये तक लोन मिलेगा। इसके अलावा, बुनियादी ढांचे के लिए आवश्यक ऋण भी सरकार से प्राप्त किया जा सकता है। आवेदक को इसके बाद परियोजना रिपोर्ट जमा करनी होगी, बैंकों के साथ सुलह तथा सभी दस्तावेज़ को पूरा करके आसानी से ऋण प्राप्त किया जा सकता है। इस योजना की सबसे खास बात यह है कि सरकार इस राशि पर ब्याज का भुगतान करेगी। यह

सुविधा उन लोगों को भी बढ़ा दी जा रही है जो विभाग द्वारा पांच गाय पालन के दूध व्यापार का कर रहे हैं। यदि आप पांच गायों के तहत डेयरी शुरू करना चाहते हैं तो, आपको उनकी लागत का सबूत देना होगा। जिसके अंतर्गत सरकार 50% सब्सिडी प्रदान करेगी। किसानों को 50% अलग-अलग किस्तों में बैंक को भुगतान करना होगा। वह किसान इन दुग्ध गायों का दूध प्राप्त कर सकता है जिससे उस की आमदनी में वृद्धि होगी।

सरकार किसानों और नागरिकों की आय बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। जिसके अंतर्गत 50 गाय डेयरी योजना शुरू की गई है। किसान इस योजना से बेहतर जीवन जी सकता है। पैसे की समस्या तथा कमी को खत्म करने में यह योजना सहायक है। यह सुविधा किसानों को बड़े पैमाने पर पशुपालन विभाग द्वारा प्रदान की जा रही है। नाबार्ड द्वारा इस योजना और सब्सिडी योजना के निम्नलिखित मुख्य उद्देश्य हैं:

- डेयरी सेक्टर के लिए स्व-रोजगार और सुविधाएँ प्रदान करना।
- मिट्टी की उर्वरता और फसल उपज सुधार के लिए अच्छा स्रोत।
- गाय गोबर से गोबर गैस, घरेलू उद्देश्यों के लिए ईंधन के रूप में उपयोग की जाती है, पानी इंजन को चलाने के लिए।
- दूध के उत्पादन के लिए डेयरी फार्म की स्थापना का संवर्धन।
- बड़ी डेयरी दुधारू जानवरों के साथ छोटी डेयरी इकाई की स्थापना।
- नई मध्यम / बड़ी इकाई स्थापित करने में सहायता।
- दूध, प्रसंस्करण, वितरण और दूध उत्पादों का संग्रह।
- एक उन्नत / संकर नस्ल के दुग्ध जानवरों की खरीद।
- NABARD Dairy Farming पशुपालन निर्माण।

नाबार्ड सब्सिडी के साथ बैंक से ऋण के लिए आवेदन करने की पात्रता

एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में दूध उत्पादन की दर तेजी से बढ़ रही है। सहकारी समितियों को दूध उत्पादन के मामले में निजी क्षेत्र की डेयरी अब पीछे छोड़ दी गई है। वर्ष 2015 में निजी डेयरी द्वारा उत्पादित दूध की मात्रा वर्ष 2020 के लिए समान आंकड़े को दोगुना कर सकती है। इस तरह का दावा पुस्तक, डेयरी इंडिया में किया गया है। पुस्तक के अनुसार, निजी डेयरी में दूध उत्पादन 2020 तक 28.93 मिलियन टन तक पहुंच सकता है। जानकारी के लिए, आपको बता दें कि वर्ष 2015 में, सभी डेयरी निगम और संगठित निजी क्षेत्र 15.55 मिलियन टन दूध पैदा किया था। डेयरी बाजार में, दूध और डेयरी उत्पादों का मूल्यांकन देश के बाजार में उनकी बिक्री मूल्य के आधार पर किया जाता है।

यह मूल्य लगभग 5 करोड़ 26 लाख 403 रुपये है। इस पुस्तक में दावा किया गया है कि 2020 तक, यह आंकड़ा 10 करोड़ 5 लाख 264 रुपये तक पहुंच सकता है। दूध को देश में डेयरी बाजार का सबसे बड़ा घटक माना जाता है। साथ ही, कुल बिक्री मूल्य में इसका 58% हिस्सा है, जिसमें 2020 तक बड़े बदलाव देखे जा सकते हैं। **"डेयरी इंडिया"** भविष्यवाणी करता है कि दूध बाजार में संगठित डेयरी का हिस्सा 23% से बढ़कर 31% हो सकता है। दूसरे शब्दों में, यदि आप पाउच में बेचे गए ब्रांडेड तरल दूध खरीदना चाहते हैं, तो ग्राहकों की संख्या तेजी से बढ़ेगी। दूध के बाद, भारतीय डेयरी बाजार में खोया, घी, पनीर, मावा, चीनाह आदि जैसे उत्पादों का एक बड़ा हिस्सा है। घी के अलावा, विभिन्न प्रकार के मिठाई भी बनाई जाती हैं। हालांकि उनमें से कई अभिसरण उत्पन्न करने में सक्षम हैं, फिर भी वे औद्योगिक विकास और निर्माण के लिए विशेष रूप के लिए एक बड़ा क्षेत्र हैं।

- किसान, व्यक्तिगत उद्यमी, गैर-सरकारी संगठन, कंपनियां, असंगठित और संगठित क्षेत्र समूह आदि।
- संगठित क्षेत्र के समूह में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), डेयरी सहकारी समितियां, दूध संगठन, दूध संघ आदि शामिल हैं।
- एक व्यक्ति इस योजना के तहत सभी घटकों के लिए सहायता प्राप्त कर सकता है, लेकिन प्रत्येक घटक के लिए केवल एक बार योग्य होगा।
- इस योजना के तहत, एक ही परिवार के एक से अधिक सदस्यों को सहायता प्रदान की जा सकती है और इसके लिए, उन्हें अलग-अलग जगहों पर विभिन्न आधारभूत संरचनाओं के साथ अलग-अलग इकाइयों की स्थापना हेतु मदद दी जाती है। इस तरह की दो परियोजनाओं के बीच की दूरी कम से कम 500 मीटर होनी चाहिए।
- एक आवेदक इस योजना के तहत केवल एक बार सहायता प्राप्त कर सकता है।

नाबार्ड द्वारा ऋण सब्सिडी के लिए डेयरी फार्मिंग और दूध उत्पादन के लिए विभिन्न योजनाएं

योजना 1: हाइब्रिड गायों / साहिवाल, लाल सिंधी, गिर, राठी आदि जैसे स्वदेशी 10 मवेशी / वर्गीकृत भैंसों के लिए छोटी डेयरी इकाइयों के अतिरिक्त स्थापना:

- **निवेश:** 10 पशु इकाइयों के लिए 5 लाख – न्यूनतम 2 और अधिकतम 10 जानवरों की सीमा के साथ डेरी स्थापना।
- **नाबार्ड सब्सिडी:** 10 पशु डेयरी हेतु 25% (एससी / एसटी किसानों के लिए रूपरेखा 33.33%), पूँजी सब्सिडी सीमा, 1.25 लाख रुपये (अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति से संबंधित किसानों हेतु 1.67 लाख रुपये)। अधिकतम अनुमति पूँजी सब्सिडी 2 पशु इकाई के लिए 25000 रुपये है (अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति किसानों के लिए 33,300 रुपये)। सब्सिडी आकार के आधार पर प्रो-रेटा आधार पर प्रतिबंधित होगा।

योजना 2: बछड़ों को पालने – 20 बछड़ों तक क्रॉसब्रीड, स्वदेशी मवेशी और वर्गीकृत भैंसों और दुधारू नस्लों का विवरण।

- **निवेश:** 20 बछड़ों इकाइयों के लिए 80 लाख – 5 बछड़ों के न्यूनतम इकाई आकार और 20 बछड़ों की अधिकतम सीमा के साथ।
- **नाबार्ड सब्सिडी:** 20 बछड़ों के लिए व्यय का 25% (अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति – अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के लिए 1.60 लाख रुपये), 1.25 लाख रुपये के लिए पूँजी सब्सिडी सीमा (अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति किसानों के लिए 33.33%)। अधिकतम अनुमति पूँजी सब्सिडी 5 बछड़ों के फार्म के लिए 30,000 रुपये (अनुसूचित जातियों / अनुसूचित जनजाति किसान हेतु 40,000) है। सब्सिडी आकार के आधार पर प्रो-रेटा आधार पर प्रतिबंधित होगा।

योजना 3: वर्मीकंपोस्ट और खाद (दुग्ध पशुओं के साथ इकाई के साथ नहीं जोड़ा जायेगा)।

- **निवेश:** 20,000 रुपये तक (बीस हजार रुपए)
- **नाबार्ड सब्सिडी:** 4.50 लाख रुपये (अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति किसानों के लिए 6.00 लाख रुपये) की पूँजी सब्सिडी के तहत व्यय का 25% (अनुसूचित जातियों / अनुसूचित जनजाति किसानों के लिए 33.33%)।

योजना 4: दूध निकलने की मशीन / दूध परीक्षक / अधिक मात्रा में दूध ताजा रखने हेतु फ्रिज (2000 लीटर क्षमता)।

- **निवेश:** इस परियोजना के लिए, आपको न्यूनतम 18 लाख रुपये का निवेश करना होगा।
- **नाबार्ड सब्सिडी:** 4.50 लाख रुपये (अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति किसानों के लिए 6.00 लाख रुपये) की पूँजी सब्सिडी के तहत व्यय का 25% (अनुसूचित जातियों / अनुसूचित जनजाति किसानों के लिए 33.33%)।

योजना 5: स्वदेशी दूध उत्पादों का उत्पादन करने के लिए डेयरी प्रसंस्करण के उपकरण की खरीद।

- **निवेश:** इस परियोजना का कुल निवेश 12 लाख रुपये है।
- **नाबार्ड सब्सिडी:** सीमा 25% (अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति किसानों के लिए 33.33%) 3.00 लाख रुपये तक (एससी / एसटी किसानों के लिए 4.00 लाख) की पूँजी सब्सिडी के तहत।

योजना 6: डेयरी उत्पाद परिवहन सुविधाएँ और शीत श्रृंखला स्थापना

- **निवेश:** यदि आप इस परियोजना को शुरू करना चाहते हैं तो आपको न्यूनतम राशि 24 लाख रुपये की आवश्यकता होगी।
- **नाबार्ड सब्सिडी:** व्यय के लिए 25% से 6.00 लाख रुपये (एससी / एसटी किसानों के लिए 8.00 लाख रुपये) के रूप में पूँजी सब्सिडी की सीमा (एससी / एसटी किसानों के लिए 33.33%)।

योजना 7: दूध और दुग्ध उत्पादों के लिए शीत भंडारण सुविधा।

- **निवेश:** आपको कम से कम 30 लाख रुपये निवेश करना होगा।
- **नाबार्ड सब्सिडी:** व्यय का 25% (अनुसूचित जातियों / अनुसूचित जनजाति किसानों के लिए 33.33%) 7.50 लाख रुपये (एससी / एसटी किसानों के लिए 10.00 लाख रुपये) की पूँजी सब्सिडी के सीमा अधीन है।

योजना 8: निजी पशु चिकित्सा क्लिनिक की स्थापना

- **निवेश:** आपको मोबाइल क्लिनिक के लिए 2.40 लाख रुपये और स्थिर क्लिनिक के लिए 1.80 लाख रुपये का निवेश करना होगा।
- **नाबार्ड सब्सिडी:** व्यय का 25% (अनुसूचित जातियों / अनुसूचित जनजाति किसानों के लिए 33.33%)। 45,000 / – और 60,000 / – रुपये की पूंजी सब्सिडी (अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति किसानों के लिए 80,000 / – रुपये और 60,000 / -) मोबाइल और स्थिर क्लीनिक के लिए।

योजना 9: डेयरी मार्केटिंग आउटलेट / डेयरी पार्लर

- **निवेश:** इस परियोजना के लिए आपको 56 हजार रुपये की निवेश राशि की आवश्यकता है।
- **नाबार्ड सब्सिडी:** पूँजी सब्सिडी विषय व्यय के लिए 25% या 14,000 रुपये (एससी / एसटी किसानों के लिए 33.33%) की सीमा के रूप में समाप्त होता है – (अनुसूचित जातियों / अनुसूचित जनजातियों के लिए 18600 रुपये)।

डेयरी योजना या बैंक ऋण के लिए परियोजना – प्रोजेक्ट रिपोर्ट

जो किसान डेयरी खोलना चाहते हैं, उनके लिए परियोजना दो जानवरों से भी शुरू करने की सुविधा दी गई है। इसी तरह, किसान अधिक जानवरों के लिए परियोजनाएं भी बना सकता है यदि किसान उन्नत मशीन व्यय आदि के उपयोग जैसे अधिक जानकारी जोड़ सकता है तो वह बड़ा डेरी फार्म भी खोल सकता है।

NABARD Dairy के लिए मूल धारणाएं:

बछड़े को जन्म देने के बाद, उन्नत नस्ल के हर दुग्ध मवेशी, 300 दिनों की अवधि में 3500 लीटर दूध देते हैं। प्रत्येक मवेशी दूध देने के 65 दिनों की अवधि होगी। पहले या दूसरे बछड़े के जन्म के बाद, मवेशियों को खरीदा जाएगा।

डेयरी के लिए तकनीकी पैरामीटर:

- एक इकाई में दुग्ध जानवरों की संख्या – 02
- प्रत्येक मवेशी के प्रति दिन औसत दूध उत्पादन – 12 लीटर
- एक मवेशी और एक बच्चे के लिए जगह की आवश्यकता – 60 वर्ग फुट

डेयरी में प्रति दिन चारा की जरूरत है:

दुग्ध अवधि के दौरान -:

- हरा चारा – 20 किलो
- सूखा चारा – 5 किलो
- संतुलित पशु फ़ीड – 5 किलो

गैर-दूध की अवधि में -:

- हरा चारा – 15 किलो
- सूखा चारा – 7 किलो
- संतुलित पशु फ़ीड – 1 किलो

दूध उत्पादन डेयरी के लिए वित्तीय मानदंड:

- बेहतर नस्ल के लिए एक मवेशी की लागत – 50 हजार रुपये
- दूध प्रति लीटर की कीमत – 32 रुपये
- पशुपालन निर्माण पर लागत व्यय प्रति वर्ग फीट – 250 रुपये
- प्रति किलो संतुलित पशु फ़ीड की कीमत – 20 रुपये
- प्रति किलोग्राम हरे चारे की कीमत – 2 रुपये
- प्रति किलो सूखा चारे की लागत – 5 रुपये
- प्रति इकाई रखरखाव और पशु देखभाल (प्रति वर्ष) पर व्यय – 2000 रुपये
- प्रति बैग बिक्री से आय – 20 रुपये

NABARD Dairy फार्मिंग बिजनेस के लिए पूंजी व्यय:

- 02 दुशरू पशु – प्रति पशु 50,000 रुपये (प्रति दिन 3500 लीटर दूध देने की क्षमता) (2 × 50,000) = 100000
- पशु बीमा (पारगमन बीमा सहित) – खरीद मूल्य के 6% की दर से, 100000 × 6% = 6000 रुपये
- मवेशी फार्म – 120 वर्ग फुट, 250 रुपये प्रति वर्ग फुट = 30000
- परिवहन – प्रति पशु 2500 रुपये × 2 = 5000
- 02 दूध पशु = 1,41,000 के लिए कुल राशि और लागत

नाबार्ड द्वारा 2 दुधारू पशु के लिए ऋण राशि पर दी गई सब्सिडी:

सामान्य श्रेणी के लिए -:

- एक इकाई की स्थापना पर व्यय – 141000 रुपये
- योजना पर कुल लागत व्यय – 126900 रुपये (9 0%)
- बैंक द्वारा स्वीकृत ऋण – 14100 रुपये (10%)
- लाभदायक सदस्यता – 70500 रुपये (50%)
- राज्य सरकार द्वारा अनुदान – 56400 रुपये (40%)

अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति (एससी / एसटी) के लिए –

- एक इकाई की स्थापना पर व्यय – 141000 रुपये
- योजना पर कुल लागत व्यय – 133950 रुपये (9 5%)
- बैंक द्वारा स्वीकृत ऋण – 7050 रुपये (5%)
- लाभदायक सदस्यता – 105750 रुपये (75%)
- राज्य सरकार द्वारा अनुदान – 28200 रुपये (20%)

एक वर्ष में फ़ीड और अनाज की अनुदान राशि, आवश्यकता और मूल्य प्रदान करने के बाद बैंक ऋण:

भोजन की आवश्यकता पशु की वयस्क इकाई पर आधारित है, जो निम्नानुसार है:

- **पशु विवरण – संख्या – वयस्क संस्था**
- उन्नत नस्ल मवेशी – 2 – 2
- बछड़ा – 2 – 1
- कुल – 4 – 3
- **लाभ =** आय – व्यय = 254800 रुपये – 149075 रुपये = 105725 रुपये
- **शुद्ध लाभ =** लाभ – मूल्य ह्रास और ब्याज
- **सामान्य जाति =** 105725 रुपये – 22768 = 82957 रुपये
- **एससी / एसटी =** 105725 रुपये – 1 9 384 = 86341 रुपये

डेयरी फार्म में जानवरों के रख-रखाव की विधि

गर्मी का मौसम दूध उत्पादन को प्रभावित नहीं करेगा। वैज्ञानिक अनुसंधान ने इस दिशा में उत्साहजनक परिणाम प्राप्त किए हैं। इन दिनों, दूध उत्पादन में 10 प्रतिशत की कमी आई है। जानवरों में पाए जाने वाले कुछ प्रकार के प्रोटीन इसका मुख्य कारण हैं। एनडीआरआई (नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट) के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ महेंद्र कुमार बताते हैं कि जानवरों का मार्कर सेल क्षति तब शुरू होती है जब तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। इसकी रक्षा करने के लिए, प्रोटीन गतिविधि बढ़ाते हैं। ये प्रोटीन दूध बनाने में कारक हैं। तो इसका प्रभाव पशु दूध पर पड़ता है। इन दिनों, जलवायु रेजिएंटल कृषि परियोजना (एनआईसीआरए) पर राष्ट्रीय नवाचार के तहत थारपाकर और संकर गायों और भैंसों पर शोध किया जा रहा है। इन जानवरों में 547 प्रकार के प्रोटीन पाए जाते हैं। उनमें से, 106 प्रोटीन की पहचान की गई है जो गर्मी में जानवरों को संवेदनशील बनाती हैं और दूध की कमी का कारण बनती हैं।

यह सीधे किसान की आय से संबंधित है। हर साल भैंसों व पशुधन के लिए 50 हजार रुपये का नुकसान होता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, दूध उत्पादन पर नकारात्मक प्रभावों को रोकने के लिए कुछ आवश्यक उपाय किए जा सकते हैं। इसके लिए पशु खुराक में बदलाव करना होगा, ऊर्जा पाने के लिए आपको प्री-वेट देना होगा, अधिक हरा चारा दें और यदि यह संभव है, तो विटामिन ई का उपयोग चारे हेतु करें। सभी जानवरों के स्थान को बदलें। जगह को खुला और हवादार बनायें। जानवरों को पीने के लिए साफ पानी का प्रबंध और घास की छत उपयोगी है। थारपाकर और साहिवाल नस्लों में 46 से 48 डिग्री के तापमान को अनुकूलित करने में सक्षम हैं।

30 डिग्री से ऊपर का तापमान चालू होता है और गर्मी का तापमान प्रकट होना शुरू होता है तब संकर नस्ल के जानवरों का खासा ध्यान रखने की जरुरत होती है। देश के पहले स्थान पर प्रति दिन 16.83 मिलियन टन दूध के उत्पादन के साथ उत्तर प्रदेश प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 252 ग्राम की खपत करता है। हरियाणा आठवां है और दूध उत्पादन प्रति दिन 5.48 मिलियन टन का उत्पादन करता है। देश में प्रति व्यक्ति 252 ग्राम दूध की उपलब्धता है। सरकार ने स्वदेशी गायों को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं शुरू की हैं, नतीजे भी अच्छे देखने को मिले हैं। स्वदेशी गायों के पक्ष में, मवेशियों का अनुपात पहले की तुलना में बढ़ गया है। वर्तमान में, 48.2 मिलियन भारतीय गायों में विदेशी मवेशी हैं जबकि 19.4 मिलियन गाय हाइब्रिड नस्ल है। देश में दूध उत्पादन 163.7 मिलियन टन प्रतिदिन उपलब्ध है। इनमें से, गाय का दूध 47.23 प्रतिशत है तथा भैंस का 40.10 प्रतिशत है तथा बकरी का 3.43 प्रतिशत है। डेयरी फार्म और दूध उत्पादन व्यवसाय के लिए नाबार्ड सब्सिडी के तहत विभिन्न बैंक ऋण प्रक्रियाएं नीचे देखें।

डेयरी इकाइयों के वित्तीय पोषण के लिए एसबीआई-स्टेट बैंक ऑफ इंडिया डेयरी प्लस योजना

इस योजना का उद्देश्य आवश्यक निर्माण कार्य के लिए, दुग्ध पशुओं की खरीद, दुग्ध मशीनों, चारा मशीनों या अन्य उपकरणों की खरीद के लिए सहायता प्रदान करना है।

NABARD Dairy Farming पात्रता:

- दूध संग्रह या उत्पादन में लगे लोग या वो किसान जो दूध संग्रह प्रक्रिया के स्थानों से जुड़े हुए हैं आवेदन कर सकते हैं।
- आवेदक 65 वर्ष से कम उम्र का होना चाहिए।
- 10 से कम जानवरों के साथ व्यक्तिगत डेयरी इकाइयों – प्रत्येक 5 पशु को बढ़ाने के लिए कम से कम 0.25 एकड़ ज़मीन होनी चाहिए, और शेष ज़रूरतों को स्थानीय रूप से व्यवस्थित किया जाना चाहिए।
- प्रत्येक 5 पशु फ़ीड को बढ़ाने के लिए 10 और जानवरों की व्यक्तिगत डेयरी इकाइयां; कम से कम 1 एकड़ भूमि निजी या पट्टे पर हो।

अन्य नियम:

- जानवरों को दो बार में खरीदा जाना चाहिए।
- बैंक प्रतिदिन 7 लीटर दूध प्रति दिन भैंसों और प्रति दिन 8 लीटर दूध देने वाली गायों के लिए वित्तपोषण प्रदान करता है।
- जानवरों पर केवल एक और दो बार वित्तीय सहायता प्राप्त की जा सकती है।

उधार की राशि:

- 100000 रुपये तक की ऋण लागत का 100%।
- 100000 रुपये और उससे अधिक के ऋण की लागत का 9 0%। इसमें 5 लाख रुपये तक के फ़िक्स लोन दिए जा सकते हैं।
- काम करने वाली पूँजी खरीदने के लिए अनाज, चारा, और दवाएँ, प्रति वर्ष 2500 / – रुपये की कार्यशील पूँजी मंज़ूर की जा सकती है।

NABARD Dairy Farming सुरक्षा:

10 लाख रुपये तक के ऋण के लिए बैंक वित्त से बने संपत्तियों का हाइपोथेकेशन और 1 लाख रुपये से ऊपर के ऋण के लिए संपत्ति का आवेदक या तीसरे पक्ष की गारंटी या दो अन्य डेयरी किसानों के लिए ऋण गारंटी के बराबर समूह गारंटी।

इसका भुगतान कैसे किया जाएगा?

5 गुना पशु डिलीवरी की अवधि के दौरान मासिक किस्तों में ऋण का भुगतान किया जाना चाहिए।

ऋण के लिए आवेदन कैसे करें?

बैंक नज़दीकी शाखा से संपर्क करें या अपने गांव में आने वाले विपणन अधिकारी से बात करें।

बीओआई-बैंक ऑफ इंडिया डेयरी डेवलपमेंट लोन स्कीम

बैंक ऑफ इंडिया-बीओआई में दो से चार दुग्ध जानवरों के साथ छोटी डेयरी इकाई स्थापित करने, नई मध्यम / बड़ी इकाई, दूध, प्रसंस्करण, वितरण और दूध उत्पादों का संग्रह, उन्नत / संकर के दुग्ध पशुओं की खरीद के लिए मुख्य उद्देश्य से ऋण प्रदान किया जाता है। इस योजना के तहत ऋण प्रदान करके नस्ल और पशुपालन निर्माण हेतु केवल किसान, कृषि मजदूर, पंजीकृत एसएचजी / साझेदारी फर्म, सीमित कंपनियां, डेयरी सहकारी समिति और स्वयं सहायता समूह / जेएलजी बीओआई के माध्यम से आवेदन करने के पात्र हैं। वाणिज्यिक डेयरी के लिए परियोजना रिपोर्ट की आवश्यकता है। वित्त पोषण की मात्रा नाबार्ड द्वारा अनुमोदित इकाई लागत / परियोजना लागत के अनुसार दी जाएगी।

NABARD Dairy Farming सुरक्षा:

- प्रमुख / संपार्श्विक
- ऋण 1 लाख रुपये तक सीमित है

पशुधन ऑडियोलॉजिस्ट

- 1 लाख रुपये से अधिक की ऋण सीमा
- पशुधन ऑडियोलॉजिस्ट
- मध्यस्थ अधिनियम के अनुसार सहयोगी या संपार्श्विक सुरक्षा।
- उचित मूल्य की तीसरी पार्टी गारंटी।

मार्जिन:

- शून्य रुपये तक ऋण – शून्य
- 1 लाख रुपये से अधिक के ऋण – 15% से 25%

ब्याज दर:

- समय-समय पर बैंक द्वारा निर्धारित ब्याज दर

चुकौती:

- 2 से 3 महीने की पुनर्भुगतान अवधि के साथ, पुनर्भुगतान 5 से 6 वर्षों में किया जाना चाहिए।

NABARD Dairy Farming आवेदन प्रक्रिया:

- आपको निकटतम बीओआई शाखा में जाना है और ऋण प्रक्रिया के लिए अधिकृत व्यक्ति से बात करनी होगी।

कृषि वित्त आईडीबीआई डेयरी उद्योग – आईडीबीआई बैंक डेयरी ऋण

जानवरों की प्रजाति के मामले में पशुओं, मक्का, झबराबादी इत्यादि के लिए पंपों के उत्पादन के लिए, पशुओं अधिक दूध दे रहे हैं (मवेशी: गिर, थर्परकर आदि जैसी घरेलू नस्लों) और जर्सी, होल्स्टीनियन आदि जैसे विदेशी नस्लों हेतु ऋण दिया जाता है। चारा काटने के उपकरण आदि की खरीद के लिए किए गए व्यय हेतु ऋण और स्थानीय रूप से खरीदे गए जानवरों के परिवहन हेतु भी ऋण लिया जा सकता है।

ऋण के लिए पात्र कौन है?

जिन्हे डेयरी फार्म चलने का अनुभव है, जो उपर्युक्त काम में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

NABARD Dairy Farming ऋण सीमा:

आप डेयरी विकास योजना के तहत आईडीबीआई बैंक के माध्यम से अधिकतम 20,000 रुपये से 10 लाख रुपये तक के लोन हेतु आवेदन कर सकते हैं।